

मुक्तर्यधोचिते: करग्रहे: विशेषेण प्रयुक्तार्थाः) HARIV. 2873. अनविप्रयुक्ताः (falsche Lesart) PRAÇNOP. 5, 6 wird erklärt: न विप्रयुक्ता अविप्रयुक्ता नाविप्रयुक्ता अनविप्रयुक्ताः. — Vgl. विप्रयोग. — caus. trennen von (instr.), berauben: पुत्रेषु कौसल्या यया ते विप्रयोजिता R. GORR. 2, 76, 15. पत्तिं प्राणैर्विप्रयोष्य 75, 3. befreien von: रामेण — त्रिःसप्तकृत्वो ऽहं तत्रिचैर्विप्रयोजिता HARIV. 2946.

— संप्र 1) anschirren, bespannen: कृरिसंप्रयुक्तं मेरुन्द्रवाकम् MBH. 3, 11903. रथं संप्रयुक्तम् R. 2, 46, 33. = सम्पगानीय दर्शितम् *vorgeführt* Comm. — 2) pass. verbunden werden, sich verbinden: चेति समुच्चयार्थ उभाभ्यां संप्रयुज्यते Nir. 1, 4. 11. 12. 5, 16. *hinzugefügt werden, sich (äusserlich) anschliessen*: वाञ्छात्रमिव पश्यामि माधुर्यं संप्रयुज्यते HARIV. 7093. *sich fleischlich vermischen mit*: सा संप्रायुज्यत मन्त्रिणा RĀGA-TAR. 3, 497. संप्रयुक्तं verbunden, *vermischt*: संप्रयुक्तेर्वैरोषधे: MĀRK. P. 51, 44. कुत्या verbunden —, *vereinigt mit* MBH. 1, 4474. ऊष्मणा RV. PAṬ. 1, 12. द्वा-त्ताभ्यां मात्तिकसंप्रयुक्तम् SUÇR. 1, 246, 9. गताभ्यां संप्रयुक्ताभ्याम् *feindlich an einander gekommen* MBH. 7, 5694. पतिते: संप्रयुक्ताः *in Berührung gekommen mit* M. 11, 179. संप्रयुक्तो दिष्टे *gebunden an, abhängig von* MBH. 7, 1047. मृगयासंप्रयुक्तं *beschäftigt mit* KĀM. NĪRIS. 18, 62. — 3) Jmd mit Etwas (instr.) verbinden so v. a. *veranlassen zu*: उपचारैरमुचिभिः संप्रयुज्य च तापसान् R. 3, 1, 22. pass. *theilhaftig werden, sich schuldig machen* JĀG. 3, 129. तेनैव कर्मणा संप्रयुज्यते Spr. 4070. — 4) Jmd antreiben: एरावणामधिष्ठातुं प्रवरं संप्रयुक्तवान् (स नियुक्तवान् die neuere Ausg.) HARIV. 8873. शयना यथैवामिषसंप्रयुक्ताः MBH. 3, 15692. — 5) in Thätigkeit setzen, freien Lauf lassen: असंप्रयुज्यतः (= नियच्छतः Comm.) प्राणान् BṬĀG. P. 44, 26, 23. — 6) ausführen, vortragen (einen Gesang) Verz. d. Oxf. H. 199, b, No. 472. — 7) संप्रयुक्तं *der seine ganze Aufmerksamkeit auf einen Gegenstand gerichtet hat* MBH. 14, 551. — Vgl. संप्रयोग. — caus. 1) ausrüsten, fertig machen: रथम् HARIV. 9284. — 2) vereinigen, verbinden MBH. 3, 1153. नानेकदिननिर्वर्त्यकथया संप्रयोजितः *verbunden mit* SĀH. D. 278. — 3) vorbringen: सम्पक्ते पृच्छेया संप्रयोजिता MBH. 18, 155. — 4) anwenden, gebrauchen SĀH. D. 432.

— प्रति 1) befestigen: उभे धीरा प्रति वीङ्गं पुनक्तं RV. 10, 101, 10. — 2) abtragen (eine Schuld): ऋणं तत्प्रतियुञ्जानः MBH. 9, 282 nach der Lesart der ed. Bomb., ऋणं प्रतिप्रयुञ्जानः ed. Calc. — Vgl. प्रतियोग. — caus. auflegen (den Pfeil auf den Bogen) MBH. 8, 4051. — Vgl. प्रतिप्रायोजितव्य.

— वि 1) ablösen: येषां चतुर्थं विपुनक्ति वाचम् AV. 8, 9, 3. *trennen*: तांश्च विपुनक्ति (॥) BṬĀG. P. 10, 39, 19. नूनं भूतानि भगवान्युनक्ति विपुनक्ति च 82, 42. संयुज्यते विपुज्यते तथा कालेन देहिनः Spr. 4787. विपुक्तं *getrennt* M. 7, 214. KUMĀRAS. 5, 26. MEGH. 99. BṬĀG. P. 3, 5, 47. MĀRK. P. 123, 24. ÇUK. in LA. (III) 33, 9. विपुक्ता *uneins* M. 9, 102. अविपुक्तं *nicht getrennt* KĀM. NĪRIS. 13, 69. 83. RAĞH. 13, 31. pass. *getrennt werden von* (instr.): स वै केनचिदर्थेन तथा मन्दो व्ययुज्यत MBH. 3, 2646. R. GORR. 2, 38, 4. Spr. 4810. KĀM. NĪRIS. 12, 49. MĀRK. P. 21, 102. BṬĀG. P. 5, 8, 3. सा नलेन सह विपुज्यताम् Comm. zu NALOD. 3, 5. act. med. *befreien von, bringen um* (instr., selten abl.): बह्वान्वियुद्धं मगधाह्यकर्मपाशात् BṬĀG. P. 10, 70, 29. सो ऽहमेनम् — विपुनस्मि देहात् MBH. 3, 10924. तं प्राणैर्वियुज्यात् SUÇR. 1, 94, 19. 116, 11. pass.: को ऽद्यैव मया विपुज्यतो तवासुहृत्प्राणायशःसुहृद्भिनैः R. 2, 23, 41 (20, 45 GORR.). *verlustig gehen, kommen*

um (instr.): न च प्राणैर्वियुज्यते 1, 32, 19. 6, 36, 68. Spr. 306. KATHĀS. 31, 64. 33, 73. BṬĀG. P. 1, 13, 19. MĀRK. P. 16, 79. व्रतेन M. 5, 91. अर्थधर्माभ्याम्, घात्मना 7, 46. R. 5, 76, 22. ÇĀK. 130. Spr. 4023. RĀGA-TAR. 4, 479. 6, 148. act. in derselben Bed.: उभावपि प्राणैः वियोह्यावः R. GORR. 2, 66, 37. शरीरेण विपुज्य *sich vom Körper befreit habend* ÇĀK. zu BṬH. ĀR. UP. S. 279. विपुक्तं *getrennt von* (instr. oder im comp. vorangehend), *ermangelnd, frei von, — los*: विपुक्ता पतिना तेन R. 1, 2, 15. 2, 27, 22. RAĞH. 13, 63. VIKR. 78, 19. fg. KATHĀS. 45, 358. BṬĀG. P. 9, 10, 11. तद्वियुक्ताः KATHĀS. 10, 197. (नगरीम्) विपुक्तां पुरुषेन्द्रेण R. GORR. 2, 124, 25. 5, 74, 37. VARĀH. BṬH. S. 53, 37. यानं वाह्वियुक्तम् 46, 60. 77, 28. 81, 3. — 2) med. und pass. *sich lösen, erschaffen, nachlassen, weichen*: तच्चापि चित्तवृत्तिं शनकैर्वियुक्ते BṬĀG. P. 3, 28, 34. घात्मनियमाः सकृपमाः पुरुषपरिचर्यादय एकेकशः कतिपयेनार्कगोणेन विपुज्यमानाः किल सर्व एवादवसन् 5, 8, 5. शनैर्वियुज्यते संध्या R. 1, 33, 16. — 3) in der Stelle *braten* च शरीरं त्वं यदि नाम वियोह्यासि MBH. 3, 7362 fehlerhaft für *विमोह्यासि*, wie die ed. Bomb. liest und wie schon BENFEY vermuthet hat. — Vgl. वियोग. — caus. 1) trennen MBH. 3, 1153. KATHĀS. 69, 129. PAÑĀT. 42, 22. वियोजिता । मात्रा धातुभिरन्यैश्च *getrennt von* MĀRK. P. 70, 6. धातुमातृवियोजिता 5. Jmd *befreien von* (abl.): तयारण्यधर्मादिवोष्य ग्राम्यधर्मेषु नियोजितः PAÑĀT. 31, 6 (27, 15 ed. ORN.). Jmd *bringen um* (instr.): वसिष्ठं पुत्रैरिष्टैर्व्ययोजयत् MBH. 1, 2023. R. 2, 33, 19. R. GORR. 2, 34. 12. शरीरेण HARIV. 2335. जीवितेन R. GORR. 2, 22, 4. प्राणैः MBH. 8, 4178 (med.). R. GORR. 1, 33, 17. 3, 36, 48. PAÑĀT. 90, 6. असुभिः DAÇAK. in BENF. Chr. 196, 12. fg. मया सैव पत्नैः शाखा वियोजिता MṬĀK. 63, 23. R. 6, 94, 13. संमानेन PAÑĀT. 30, 10. RAĞH. 9, 66. द्रुपमात्रवियोजित MBH. 3, 2851. — 2) rauben: ब्राह्मणास्यातिथेश्चैव स्वार्थं प्राणान्वियोजयन् MBH. 1, 6225. — सम् act. 1) verbinden, in Zusammenhang bringen; *zusammenbringen, vereinigen*: वृजे गावो न संयुजे RV. 8, 41, 6. TS. 2, 3, 7, 5. दैर्घा कानौ ÇAT. Br. 9, 3, 2, 6. ÇĀK. Ç. 1, 16, 7. LĀṬI. 2, 9, 12. 10, 2, 10. 6, 9. इन्द्रो PAÑĀT. Br. 4, 4, 2. संयुज्यते विपुज्यते तथा कालेन देहिनः Spr. 4787. pass. mit रत्या *sich fleischlich verbinden* PRAÇNOP. 1, 13. स्त्रीपुमांसौ यदा ग्राम्यधर्मतया संयुज्येयाताम् ÇĀK. zu KĀND. UP. S. 18. संयुक्तं *zusammengefügt*: दृढं HARIV. 4328. °मात्त्यानि R. 5, 14, 52. *verbunden im Gogens. zu* विपुक्तं *getrennt* M. 7, 214. KATHĀS. 23, 222. von unmittelbar aufeinander folgenden Consonanten P. 6, 3, 59, Sch. ÇAUT. 2. Verz. d. Oxf. H. 181, b, No. 413. वेद्ये न च संयुक्तान् (= इन्द्रियसंयुक्तान् Comm.) शब्दस्पर्शरसान् *alle insgesammt d. i. ich kann weder hören, noch fühlen, noch schmecken* R. 2, 64, 67. संयुक्तमेतत्तरमतरं च व्यक्ताव्यक्तम् d. i. *sowohl vergänglich als auch unvergänglich* ÇVETĀÇ. UP. 1, 8. संयुक्ताः *gut verbunden d. i. in richtigem Zahlenverhältnisse zu einander stehend* R. 2, 70, 22. संयुक्तं = संबन्धिन् *verwandt* PĀR. GRH. 3, 10. KAUC. 92. Etwas mit Etwas (instr.) *verbinden*; pass. *sich verbinden mit*: नान्योऽन्येन मध्यमाः स्पर्शाः संयुज्यते न लकारिणा रफः RV. PAṬ. 12, 2. यादृगुणेन भर्त्रा स्त्री संयुज्यते यथाविधि *sich ehelich verbinden* M. 9, 22. pass. *zusammenkommen mit* —, *zusammentreffen mit*: रघुनाथो ऽप्यगस्त्येन — संयुज्ये शरत्काल इवेन्द्रना RAĞH. 13, 54. act. Jmd mit Etwas *versehen, ausrüsten mit, theilhaftig werden lassen*; pass. *theilhaftig werden*: स नो बुद्ध्या प्रुभया संयुनक्तु ÇVETĀÇ. UP. 3, 4 = 4, 1. पौवराज्येन संयुक्तम् R. 1, 1, 21 (24 GORR.).